श्रि वेंकटेश श्तोत्रम

खमल कुच चूचुक कुम्कुमथो,
णियथरुनि थाथुल नील थनो,
खमलयथ लोचन लोक पथे,
इजयी भव वेन्कत शैल पथे., १

श चतुर्मुख शन्मुख पन्चमुख,
फ्रमुखखिल दैवथ मौलि मने,
शरनगथ वथ्सल सर निधे,
फरिपलय माम व्रुश शैल पथे., २

आथिवेलथय थव दुर्विशहै,
आनुवेल क्रुथै , अपरध सथै,
भ्हरिथम थ्वरिथम व्रुश शैल पथे,
फरया क्रुपया परि पहि हरे., ३

आधि वेन्कत शैलमुधरमथे,
झनथभि मथाधिक धन रथाथ,
फर देवथय गथि थान निगमै,
खमल दयिथान परम कलये., ४

खलवेनुरवस गोपवधू,
शथकोदि व्रुथाथ,स्मरकोदि समथ,
फ्रथि वल्लविकभिमदथ सुखदथ,
असुदेव सुथान न परम कल्लये., ५

आभिरम गुनकर दसरथे,
झगदेक धनुर्धर धीरमथे,
अघु नयक रम, अमेस इभो,

अरधो भव , देव दयजलधे., ६

आवनीथनय कमनीय करम,
अजनिकर चरु मुखम्भुरुहम,
अजनिचर रज थमो मिहिरम,
ंअहनीयम अहम रघ्रम मये., ७

शुमुखम सुह्रुधम सुलभम सुखधम,
शवनुजम च सुखयम अमोघ सरम,
आपहय रघुद्वहम अन्यम अहम,
ण कथन्चन कन्चन जाथु भजे., ८

इन एन्कतेसम न नथो न नथ,
शद वेन्कतेसम स्मरमि , स्मरमि,
ः:अरे एन्कतेस , प्रसीध प्रसीध,
फ्रियम एन्कतेस , प्रयच प्रयच., ९

आहम धूरदस्थे पदम्भोज युग्म,
फ्रनमेचय अगथ्य सेवम करोमि,
शक्रुथ सेवय निथ्य सेव बलम थ्वम,
फ्रयच प्रय्च प्रभो एन्कतेस., १०

आग्रनिनम मय दोशन,
आसेशन विहिथन हरे,
ख्शमस्व थ्वम, क्शमस्व थ्वम,
शेश शैल शिक मने., ११